

पैन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र



वर्ष - 1 अंक - 82

बुदवार, अक्टूबर 07, 2026

विशाखापट्टनम संपादक: गंट्यादा अप्पाराव

पृष्ठों. 4मूल्य. 1रु

चंद्रबाबू के आवास पहुंचे पवन कल्याण, स्थानीय निकाय चुनावों पर अहम चर्चा

(पैन पॉवर न्यूज):

अमरावती, 6 अक्टूबर: जनसेना प्रमुख और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू और मंत्री नारा लोकेश ने पवन कल्याण का स्वागत किया। काफी दिनों बाद मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की मुलाकात हुई। बताया जा रहा है कि तीनों नेताओं ने साथ में नाश्ता करते हुए आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर चर्चा की। सूत्रों के अनुसार, बैठक में गठबंधन के सहयोगी दलों के बीच समन्वय, मिलकर चुनाव लड़ने तथा राज्य, जिला और विधानसभा क्षेत्र स्तर की समन्वय समितियों के गठन पर चर्चा होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि सीटों का बंटवारा किसी निश्चित प्रतिशत के आधार पर करने के बजाय गठबंधन के जिस दल की जिस क्षेत्र में अधिक मजबूती है, वहां



उसे चुनाव लड़ने का मौका देने पर विचार किया जा रहा है। नेताओं ने पहले ही स्पष्ट किया है कि तीनों गठबंधन दलों को चुनाव में जीत के लक्ष्य के साथ मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने किसी भी सीट पर वाईएसआरसीपी को जीतने से रोकने के लिए काम करने का फैसला किया है। इसी क्रम में पहले चरण में होने वाले नगर निगम, नगरपालिका और नगर पंचायत चुनावों पर दोनों नेताओं के बीच मुख्य रूप से चर्चा होने की संभावना है।

इसके अलावा, बीसी आरक्षण के मुद्दे पर भी दोनों नेताओं के बीच चर्चा होने की संभावना है। सरकार की ओर से दायर स्पेशल लीव पिटिशन (एसएलपी) पर सुप्रीम कोर्ट में आगामी शुक्रवार को सुनवाई होने वाली है। बताया जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के तुरंत बाद किसी भी समय स्थानीय निकाय चुनावों का कार्यक्रम जारी करने की संभावना पर भी नेताओं के बीच चर्चा हुई।

भारत के रक्षा क्षेत्र में हिंदुस्तान शिपयार्ड की अहम भूमिका: राजनाथ सिंह

(पैन पॉवर न्यूज):

विशाखापत्तनम, 6 अक्टूबर: केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड देश के रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मंगलवार को केंद्रीय मंत्री ने हिंदुस्तान शिपयार्ड में भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे पहले फ्लीट सपोर्ट शिप का नाम 'सूर्य' रखने संबंधी शिलापट्ट का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से ही समुद्री नौवहन और जहाजों के माध्यम से व्यापार होता रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान शिपयार्ड समुद्री संरक्षक की भूमिका निभा रहा है। जल उषा जहाज के निर्माण से लेकर आज आधुनिक जहाजों के निर्माण तक एचएसएल की यात्रा शानदार रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में एचएसएल को 'मिनी रत्न' का दर्जा मिला। रक्षा मंत्री ने कहा कि समुद्री नियमों और विनियमों का पालन करते हुए भारत देश की सुरक्षा के साथ-साथ वैश्विक समुद्री जल क्षेत्र की भी रक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान शिपयार्ड केवल जहाज बनाने

वाली कंपनी नहीं है, बल्कि देश की रक्षा क्षमता को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। राजनाथ सिंह ने याद किया कि 26 वर्ष पहले वह परिवहन मंत्री के रूप में एचएसएल के लिए विशाखापत्तनम आए थे और अब रक्षा मंत्री के रूप में यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के माध्यम से देश का आत्मविश्वास और मजबूत होगा। उन्होंने आंध्र प्रदेश के समुद्री क्षेत्र के विकास में राज्य सरकार के सहयोग की सराहना की। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के सहयोग की भी उन्होंने प्रशंसा की। रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने की उम्मीद जताई। इस बीच, भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे पहले फ्लीट सपोर्ट शिप के उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सा लिया और विशेष पूजा-अर्चना की। यह फ्लीट सपोर्ट शिप समुद्र में युद्धपोतों को ईंधन, उपकरण और खाद्य सामग्री उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम में राज्य मंत्री बीसी जनार्दन रेड्डी, सांसद श्रीरत तथा नौसेना और शिपयार्ड के अधिकारी मौजूद रहे।



'स्त्री शक्ति' ने 100 करोड़ से अधिक मुफ्त यात्राएं पूरी कीं, यह गर्व की बात: सीएम चंद्रबाबू



(पैन पॉवर न्यूज):

अमरावती, 6 अक्टूबर: आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि 'स्त्री शक्ति' योजना के तहत 100 करोड़ से अधिक यात्राएं पूरी हो चुकी हैं। इस अवसर पर उन्होंने राज्य की सभी महिलाओं को

बधाई दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के समर्थन और माताओं की स्वीकृति से 'स्त्री शक्ति' योजना ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में एक्स पर पोस्ट किया। चंद्रबाबू ने कहा कि पिछले वर्ष

15 अगस्त को शुरू हुई 'स्त्री शक्ति' योजना के तहत 100 करोड़ से अधिक मुफ्त यात्राएं पूरी होना बेहद गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 100 करोड़ से अधिक मुफ्त यात्राएं पूरी होना बेहद गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 100 करोड़ से अधिक मुफ्त यात्राएं पूरी होना बेहद गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 100 करोड़ से अधिक मुफ्त यात्राएं पूरी होना बेहद गर्व की बात है।

योजना राज्य की महिलाओं के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गई है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के लिए यात्रा करने वाली छात्राओं, नौकरी पर जाने वाली महिलाओं और रोजमर्रा की आजीविका के लिए यात्रा करने वाली महिलाओं को मुफ्त बस सेवा से बड़ी मदद मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना ने यात्रा खर्च का बोझ कम किया है और महिलाओं को अपनी जरूरतों के लिए स्वतंत्र रूप से यात्रा करने का भरोसा दिया है। चंद्रबाबू ने बताया कि अब तक इस योजना के माध्यम से महिलाओं ने करीब 3,550 करोड़ रुपये की बचत की है। उन्होंने कहा कि सरकार की आकांक्षा है कि बचाई गई प्रत्येक राशि का उपयोग बच्चों की शिक्षा, परिवार की जरूरतों और भविष्य के लिए किया जाए। मुख्यमंत्री ने योजना का समर्थन

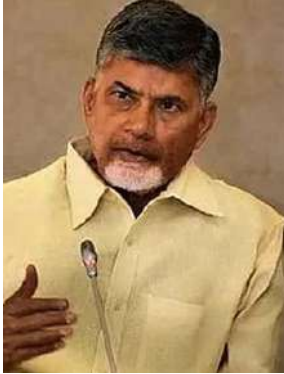
करने वाली सभी महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही, इस ऐतिहासिक उपलब्धि को संभव बनाने में योगदान देने वाले एपीएसआरटीसी प्रबंधन और कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दी। **शाबाश गायत्री!** द्वारका तिरुमला नित्य अन्नदान केंद्र में कार्यरत गायत्री नामक महिला कर्मचारी ने बिना हाथ वाले एक दिव्यांग श्रद्धालु को अपने हाथों से खाना खिलाकर उसकी भूख मिटाई। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर पोस्ट कर गायत्री की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा, "शाबाश गायत्री! द्वारका तिरुमला नित्य अन्नदान केंद्र में बिना हाथ वाले दिव्यांग श्रद्धालु को खाना खिलाकर उसकी भूख मिटाने वाली आपकी सहृदयता को नमन। 'मानव सेवा ही माधव सेवा' को चरितार्थ करने वाली आपकी भावना सराहनीय है।"

गठबंधन समन्वय समिति के सदस्यों से सीएम चंद्रबाबू की मुलाकात, स्थानीय निकाय चुनावों पर चर्चा

(पैन पॉवर न्यूज):

अमरावती, 6 अक्टूबर: आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गठबंधन समन्वय समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। उन्होंने टीडीपी आंध्र प्रदेश अध्यक्ष पल्ला श्रीनिवास राव, मंत्री निम्मला रामानायडु और अन्य नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गठबंधन समन्वय समिति की बैठकों की प्रगति के बारे में जानकारी ली। पल्ला श्रीनिवास राव और निम्मला रामानायडु ने चंद्रबाबू को विधानसभा क्षेत्र और जिला स्तर पर हुई गठबंधन बैठकों के निष्कर्षों से अवगत कराया। समन्वय समिति के सदस्यों ने चंद्रबाबू को बताया कि स्थानीय निकाय चुनावों में जिन क्षेत्रों में जनसेना के विधायक हैं, वहां पार्टी अध्यक्ष पद के साथ-साथ 50 प्रतिशत कॉरपोरेटर पद चाहती है। नेताओं ने कहा कि इससे विधायक और नगर निगम अध्यक्ष के बीच बेहतर समन्वय के साथ काम करने

की सुविधा होगी। हालांकि, उन्होंने टीडीपी प्रमुख को बताया कि गठबंधन में शामिल भाजपा का विचार अलग है। भाजपा का प्रस्ताव है कि जिन विधानसभा क्षेत्रों में उसके विधायक हैं, वहां उसका नेतृत्व पहले से ही मजबूत रहेगा। इसलिए अन्य क्षेत्रों में अध्यक्ष और कॉरपोरेटर पद उसे दिए जाने चाहिए। भाजपा का मानना है कि इससे दूसरे क्षेत्रों में उसके स्थानीय नेतृत्व को मजबूत करने में मदद मिलेगी। विधानसभा क्षेत्र और जिला स्तर की समन्वय समिति की बैठकों पूरी होने के बाद आज और कल राज्य स्तर की बैठकों आयोजित की जाएगी। नेताओं ने मुख्यमंत्री को बताया कि आरक्षण अभी अंतिम रूप से तय नहीं हुआ है। इसलिए उम्मीदवारों और सीटों पर अंतिम फैसला आरक्षण तय होने के बाद ही लिया जा सकेगा। इस अवसर पर चंद्रबाबू ने समन्वय समिति के सदस्यों को निर्देश दिया कि स्थानीय निकाय चुनावों में गठबंधन



को पिछले विधानसभा चुनावों में मिले वोट प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने जमीनी स्तर पर गठबंधन के नेताओं को एकजुट होकर काम करने और अधिक से अधिक सीटों पर जीत सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश दिए। इस बीच, गठबंधन दलों में चर्चा है कि पवन कल्याण ने अपनी बैठक के दौरान जनसेना द्वारा मांगी जा रही सीटों की सूची मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को सौंपी होगी।

गरीबों के अपने घर का सपना सीएम चंद्रबाबू से ही साकार संभव: सुजाता

अमरावती, 6 अक्टूबर: आंध्र प्रदेश महिला सहकारी वित्त निगम की अध्यक्ष पीतला सुजाता ने कहा कि गरीबों के अपने घर के सपने को मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में ही साकार किया जा सकता है। मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अब तक 5.50 लाख मकानों का निर्माण पूरा कर उन्हें गरीबों को सौंपा जा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने पांच वर्षों में 25 लाख मकान बनाने का वादा किया था, लेकिन एक भी मकान नहीं बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों के लिए मकान बनाने के बजाय 6 लाख मकानों को रद्द कर उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया गया। सुजाता ने आरोप लगाया कि एक सेंट के आवासीय भूखंडों के नाम पर जगन ने 7,000 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की। उन्होंने बताया कि वर्तमान में केंद्र सरकार ने सामान्य कोटे के तहत राज्य के लिए केवल 75,000 मकान मंजूर किए हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र से बातचीत कर आंध्र प्रदेश के लिए अतिरिक्त 3 लाख मकान मंजूर करवाने का श्रेय मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को जाता है। उन्होंने बताया कि तेनाली में देश में पहली बार 3व तकनीक से 177 मकानों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने नए 3 लाख मकानों के निर्माण की आधारशिला रखी है। सुजाता ने कहा कि चूड 2020 2026 पुरस्कारों में आंध्र प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि यह गरीबों के लिए आवास निर्माण में पारदर्शिता और तेजी से क्रियान्वयन का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य में लागू 'स्पीड ऑफ गवर्नंस' कार्यक्रम के तहत आवास निर्माण में हुई प्रगति इसका एक उदाहरण है। पीतला सुजाता ने स्पष्ट किया कि 2029 तक हर गरीब परिवार को पक्का मकान उपलब्ध कराना गठबंधन सरकार का लक्ष्य है।

बीसी को 34% आरक्षण पर बुद्धा वैकन्ना की जगन को चेतावनी

(पैन पॉवर न्यूज):

विजयवाड़ा, 6 अक्टूबर: टीडीपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बुद्धा वैकन्ना ने वाईएसआरसीपी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी पर तीखा हमला बोला। मंगलवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि जगन ने बीसी के साथ न्याय करने का अपना वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि गठबंधन की पार्टियां बीसी को 34 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि नवंबर तक स्थानीय निकाय चुनाव नहीं हुए तो सैकड़ों करोड़ रुपये की धनराशि रुकने का खतरा है। इसके बावजूद उन्होंने आरोप लगाया कि हार के

डर से जगन चुनावों को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। बुद्धा वैकन्ना ने कहा कि जगन को पार्टी का चुनाव चिन्ह पंखे से बदलकर कुल्हाड़ी कर लेना चाहिए। यह टिप्पणी उन्होंने बुद्धा वैकन्ना ने कहा, "आप खुद लोगों को मारते हैं और आरोप हमारे ऊपर लगाते हैं। जगन को बताना चाहिए कि अपनी पांच साल की सरकार में उन्होंने बीसी के साथ किस तरह न्याय किया। जगन बीसी विरोधी हैं और उन्होंने जो अन्याय किया है, उसे हम पूरे राज्य में जाकर बताएंगे।" उन्होंने दावा किया कि गठबंधन सरकार के कार्यकाल में बीसी को काफी लाभ मिला है।

उन्होंने कहा कि आवासीय पट्टों और पंजीकरण की सुविधा के माध्यम से गरीबों को करोड़ों रुपये की संपत्ति उपलब्ध कराई गई है। वैकन्ना ने आरोप लगाया कि गठबंधन सरकार के कामों को देखकर जगन परेशान हैं। उन्होंने कहा कि जगन रोजाना बैठकें कर वाईएसआरसीपी नेताओं पर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उम्मीदवार नहीं होने के कारण वाईएसआरसीपी ऐसी स्थिति में है कि वह चुनाव भी नहीं लड़ पा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जगन अपनी पार्टी के राजनीतिक अस्तित्व को बनाए रखने के लिए चुनाव लड़ने में असमर्थ नेताओं को विधायक

पद से वंचित किए जाने की चेतावनी दे रहे हैं। टीडीपी नेता ने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी के नेता खुद कह रहे हैं कि पार्टी में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि इसी डर के कारण चुनावों को रोकने के लिए कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अदालतों का सहारा लेकर चुनावों को रोकने के लिए बार-बार याचिकाएं दाखिल की जा रही हैं। वैकन्ना ने कहा कि जगन को भी पता है कि ये उनके लिए आखिरी चुनाव हो सकते हैं। इसलिए वह किसी भी तरीके से चुनाव रोकने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसा उन्होंने आरोप लगाया।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, "अगर आप बीसी के मामले में दखल देंगे, जगन, तो हम अपनी ताकत दिखाएंगे।" उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री घेल्लमपल्ली श्रीनिवास राव घर-घर प्रचार के लिए नहीं जा रहे हैं, बल्कि निगम चुनावों में उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने के लिए मनाने और उनसे अनुरोध करने के लिए जा रहे हैं। बुद्धा वैकन्ना ने कहा कि पुलिस तंत्र प्रभावी ढंग से काम कर रहा है, इसलिए वाईएसआरसीपी के लोग सड़कों पर आकर प्रदर्शन कर पा रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि अगर पुलिस अपना काम नहीं करती तो क्या वाईएसआरसीपी के लोगों में सड़कों पर आने का साहस होता।

संपादकीय

नकली दवाओं पर लगाम आखिर कहाँ है?

कोरोना महामारी के दौरान 2021–22 में एक भयावह घटना सामने आई थी, जिसमें कोविशील्ड वैक्सीन के दुष्प्रभावों के कारण लगभग आठ बच्चों की जान जाने की बात सामने आई थी। प्रभावित परिवारों ने इसके खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ी। एस्ट्राजेनेका द्वारा निर्मित इस वैक्सीन को बाजार से हटना भी पड़ा। आरोप लगे कि पर्याप्त परीक्षण किए बिना ही इस वैक्सीन को बाजार में उतार दिया गया था। दवाओं की गुणवत्ता की व्यापक जांच और निगरानी का अभाव ऐसी घटनाओं का कारण बनता है। वर्तमान में देश में नकली, घटिया, मिलावटी और एक्सपायरी हो चुकी दवाओं की समस्या गंभीर बनी हुई है। केंद्र सरकार भले ही भारत को ‘दुनिया की फार्मसी’ बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही हो, लेकिन इसके अनुरूप कठोर निगरानी, गुणवत्ता नियंत्रण और नियामक व्यवस्था लागू नहीं हो पा रही है। ये स्थितियां ‘मेक इन इंडिया’ कार्यक्रम के प्रति भरोसे को कमजोर कर रही हैं। दवाओं की गुणवत्ता मरीजों के जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय कर सकती है। नकली दवाएं जानलेवा साबित हो सकती हैं। हाल ही में दूषित कफ सिरप के कारण भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के अन्य हिस्सों में भी हुई मौतों ने गंभीर चिंता पैदा की है। इसी पृष्ठभूमि में बेंगलुरु में नकली दवाओं के एक रैकेट का पर्दाफाश होना बेहद गंभीर मामला है। कर्नाटक में 90 से अधिेक अस्पतालों, क्लीनिकों और मेडिकल दुकानों को नकली जीवनरक्षक दवाओं की आपूर्ति करने वाले एक रैकेट का खुलासा हुआ है। अधिकारियों ने पाया कि यह पूरा कारोबार बेंगलुरु की एक फार्मसी के साथ मिलीभगत से चलाया जा रहा था। इन नकली दवाओं का बड़ा हिस्सा हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना के कुछ इलाकों से सप्लाई किए जाने की जानकारी सामने आई है। रैकेट में शामिल अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसका कथित मुख्य सूत्रधार अजरबैजान में छिपा हुआ बताया जा रहा है। 18 अगस्त को बेंगलुरु के बाहरी इलाके बिडादी के पास एक फार्माहाउस पर पुलिस और खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों ने छापा मारकर 4.91 करोड़ मूल्य की एक्सपायरी हो चुकी दवाएं जब्त कीं। जांच में सामने आया कि इन नकली दवाओं को दुनिया की प्रमुख फार्मा कंपनियों के नाम वाले नए पैकेटों में दोबारा पैक कर बाजार में बेचा जा रहा था। यह पता लगाया जाना बाकी है कि यह रैकेट केवल कर्नाटक तक सीमित था या देश के अन्य हिस्सों में भी इसका नेटवर्क फैला हुआ है। इस घोटाले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि नकली दवाओं में बड़ी मात्रा ‘सेफियाविजेंट 2.5 इंजेक्शन’ की थी, जिसे कैंसर के आपातकालीन उपचार में महत्वपूर्ण दवा के रूप में पेश किया जा रहा था। इस इंजेक्शन की कुल 5,640 शीशियां जब्त की गईं, जिनकी कीमत ६3.38 करोड़ बताई गई है। ६4.91 करोड़ मूल्य की कुल नकली दवाओं में इसका हिस्सा सबसे बड़ा था। जांच में पाया गया कि ये शीशियां फर्जी या बिना प्रमाणित निर्माण कंपनियों से जुड़ी थीं और उन पर नकली लेबल लगाए गए थे। एक्सपायरी हो चुकी सामग्री के इस्तेमाल जैसी अनियमितताएं भी सामने आईं। इसके बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने इन दवाओं के बैच नंबरों को आडिाकारिक पोर्टलों पर ब्लॉक कर दिया, जिससे इनके इस्तेमाल को रोका जा सका। इस मामले में कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री यू.टी. खादर ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन को पत्र लिखा है। उन्होंने कर्नाटक में चल रही विशेष जांच टीम की जांच में सहायता के लिए केंद्र स्तर के औषधि नियामक अधिकारियों को भेजने का अनुरोध किया है, ताकि इस रैकेट की वास्तविक प्रकृति, इसका दायरा और यह किन–किन क्षेत्रों तक फैला है, इसका पता लगाया जा सके। जांच इस पहलू पर भी केंद्रित है कि क्या इस रैकेट के अंतरराज्यीय संबंध हैं। दवाओं की पूरी आपूर्ति श्रृंखला की भी गहन जांच की जा रही है। निजी अस्पतालों द्वारा इन दवाओं की खरीद और इस्तेमाल के तरीके पर भी अधिकारियों की नजर है। अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि अवैध माध्यमों से ये दवाएं निजी अस्पतालों तक कैसे पहुंचीं और क्या निजी अस्पतालों के नेटवर्क में शामिल कुछ लोगों की इस मामले में कोई भूमिका थी। यह तथ्य कि घोटालेबाज इतने लंबे समय तक बिना किसी डर के अपना कारोबार चलाते रहे, बाजार में उपलब्ध दवाओं की गुणवत्ता की जांच और निगरानी की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। चिंता केवल दुनिया के तीसरे सबसे बड़े भारतीय फार्मा उद्योग की छवि को नुकसान पहुंचने या ६4.72 लाख करोड़ के दवा उद्योग और ६2.74 लाख करोड़ के दवा निर्यात पर खतरा पैदा होने तक सीमित नहीं है। इससे भी अधिेक चिंताजनक बात यह है कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर जनता का भरोसा कमजोर होने की स्थिति पैदा हो रही है। ऐसे धोखाधड़ी और अवैध गतिविधियों का पर्दाफाश कर उन्हें रोकना केंद्र और राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। अपराध में शामिल लोगों को कड़ी सजा देने के साथ–साथ भविष्य में ऐसी गतिविधियों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए मजबूत निवारक उपाय भी करने होंगे। तभी न केवल स्वास्थ्य व्यवस्था पर जनता के घटते भरोसे को बचाया जा सकेगा, बल्कि उसे फिर से कायम भी किया जा सकेगा। आखिरकार, स्वास्थ्य क्षेत्र जनता के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है।

नेताओं के झूठ का पर्दाफाश कर रहा है ‘गोक’!

“देश को देखकर डर लगता है” कृ ऐसा नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने कहा। उन्होंने चिंता जताई कि देश में सदियों से मिल–जुलकर रह रहे हिंदुओं और मुसलमानों के बीच कुछ राजनीतिक दल विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में सवाल पूछने वाली आवाजों की जरूरत है, लेकिन सवाल उठाने वालों को केंद्र सरकार जेल में डाल रही है और कई तरह की हिंसा का सामना करने के लिए मजबूर कर रही है। या फिर सनातन धर्म की रक्षा के नाम पर उनकी हत्या तक की जा रही है। “न हिंदू बुरा है, न मुसलमान बुरा है, जो दोनों को आपस में लड़ाता है, वही शैतान बुरा है।” “जिस दिन गीता और कुरान को जान जाओगे, उस दिन दंगा करवाने वालों को पहचान जाओगे।” कवियों ने इस तरह समाज को लगातार चेलाया और जागरूक किया है। लेकिन समाज को भी इन संदेशों को स्वीकार करने की स्थिति में होना चाहिए, है न?

एक कविता गोली को नहीं रोक सकती। एक उपन्यास बम को निष्क्रिय नहीं कर सकता। फिर भी कवि और लेखक कमजोर नहीं होते। वे अपनी आवाज बुलंद करके सच कहते हैं। वे दुनिया के सामने यह भी उजागर करते हैं कि झूठ कौन बोल रहा है। उदाहरण के लिए, फारसी कवि शेख सादी ने क्या कहा था, देखिए। उन्होंने बेहद सरल शब्दों में दुनिया की स्थिति को बयान किया था।

“मैंने बहुत से ईंसानों को देखा, जिनके पास शरीर ढकने के लिए पर्याप्त कपड़े तक नहीं थे। दूसरी ओर मैंने सड़कों पर सुंदर, रंग–बिरंगे और महंगे कपड़ों को भी घूमते देखा। लेकिन उनमें ईंसान नहीं थे!” इसी तरह, अलेक्जेंड्रिया की महिला दार्शनिक और खगोलशास्त्री हाइपेशिया (350 – 415 ईस्वी) ने जो कहा था, उसके बारे में आज 21वीं सदी में भी कुछ लोग सोचने से डरते हैं। एक बार उनके शब्दों में छिपी सच्चाई पर विचार करके देखिए।

इस देश में कवियों, कलाकारों, बुद्धिजीवियों और पत्रकारों की लगातार हो रही हत्याओं के विरोध में करीब दस साल पहले ‘अवार्ड वापसी’ नामक अभियान चला था। उस समय भी यही सरकार सत्ता में थी। सत्य के लिए संघर्ष कर रहे ऐसे लोगों के साथ अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) भी खड़ी हो गई है। “ळतवा ने भी इस क्षेत्र में प्रवेश कर लिया है।” ‘ळतवा’ अंग्रेजी शब्द है, जिसका अर्थ है किसी व्यक्ति या विषय को गहराई से समझना। इस शब्द का इस्तेमाल सबसे पहले लेखक रॉबर्ट ए. हेनलाइन ने अपने विज्ञान–कथा उपन्यास *Stranger in a Strange Land* में किया था। इसी शब्द को लेकर एलन मस्क ने अपनी ŮAI कंपनी के AI टूल का नाम ‘ळतवा’ रखा।

लेख के अनुसार, भारत में झूठे प्रचार और धार्मिक वैमनस्य को लेकर जो राजनीतिक आरोप लगाए जाते रहे हैं, उन्हें अब ँतवा उजागर कर रहा है। पिछले ग्यारह वर्षों में अनेक बुद्धिजीवी, लेखक, कवि, कलाकार, किसान, महिलाएँ और जिम्मेदार नागरिक सरकार से सवाल पूछते रहे हैं। लेख का आरोप है कि सरकार ने उन्हें दबाने की कोशिश की, कुछ लोगों को जेल भेजा गया और कुछ की हत्या तक हुई। अब इन लोगों के पक्ष में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चौटबॉट भी मैदान में उतर आया है। लेख में दावा किया गया है कि ँतवा भाजपा और उसके बड़े नेताओं के कथित झूठ और व्यवहार को सामने ला रहा है। इसे सजा देना चाहें तो यह ईंसान नहीं है। आखिर क्या किया जाए, इसे लेकर सरकार के बड़े–बड़े लोग परेशान हैं कृ ऐसा लेख में व्या्यात्मक ढंग से कहा गया है। यदि लोगों को लगातार सच्चाई पता चलती रही तो फिर उनकी बात कैसे चलेगी? वे इसे विदेशी साजिश

भी कह सकते हैं। लेख के अनुसार, जिस राजनीतिक दल के पास हजारों प्ज कर्मचारियों वाली प्ज सेल है और जिस पर बड़ी संख्या में झूठी खबरें तथा भ्रामक वीडियो फैलाने के आरोप लगाए जाते हैं, उसके लिए यह एक नई चुनौती बन गई है। देश के मीडिया पर प्रभाव डालने और वास्तविक तथ्यों को सामने आने से रोकने के तमाम प्रयासों के बावजूद यह स्थिति कैसे पैदा हुई, इसे लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। हर बात को तोड़–मरोड़कर और झूठे आख्यानों के जरिए देश की जनता, खासकर युवाओं को गुमराह करने के प्रयासों पर अब रोक लगने की बात कही जा रही है। गांधी और नेहरू परिवारों को लेकर बनाए गए कथित झूठे आख्यानों के सामने आने, सावरकर और गोलवलकर के इतिहास को युवाओं के सामने रखने तथा स्वतंत्रता संग्राम में ै और भाजपा की भूमिका को लेकर किए जाने वाले दावों की जांच में भी ँतवा की भूमिका का उल्लेख किया गया है। लेख में कहा गया है कि वर्षों से कुछ कवि, लेखक, वक्ता, इतिहासकार और पत्रकार इन मुद्दों को शालीनता और संयम के साथ समझाते रहे, लेकिन लोगों पर उसका अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ा। अब ँतवा कठोर भाषा में जवाब देता है और बड़ी मात्रा में सूचनाएँ सामने रखता है। वह केवल सतही तौर पर बीमारी के लक्षण बताने वाला नहीं, बल्कि ऑपरेशन करके बीमारी की जड़ तक पहुंचने वाला उपकरण है कृ ऐसा व्या्यात्मक उदाहरण लेख में दिया गया है।

हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बिना ब्राइवर के चलने वाली कारों के बारे में जानते हैं। हमने यह भी सुना है कि एआरित उपकरण सर्जन की सहायता के बिना ऑपरेशन कर सकते हैं। ऐसी खबरें भी सामने आई हैं कि ए तकनीक ने पैरों की कमजोरी से चलने में असमर्थ एक बुजुर्ग व्यक्ति को फिर से चलने में मदद की। मानव–केंद्रित वैज्ञानिक प्रगति

जल संसाधनों पर मंडरा रहा संकट!

तेलंगाना में आठ वर्षों के दौरान 10,371 जल संसाधनों के गायब हो जाने का आंकड़ा राज्य के भविष्य को लेकर चिंता पैदा करता है। वर्ष 2017–18 में राज्य में 64,056 जल संसाधन थे, जो 2025 तक घटकर 53,685 रह गए। यानी केवल आठ वर्षों में लगभग 16.19 प्रतिशत जल संसाधनों में कमी आई। किसी राज्य में इतनी बड़ी संख्या में जल संसाधनों का गायब होना सामान्य घटना नहीं माना जा सकता। यह तेलंगाना की जल सुरक्षा के लिए गंभीर चेतावनी है। तेलंगाना की भौगोलिक परिस्थितियों में तालाब, कुंड, नाले और झीलें बेहद महत्वपूर्ण हैं। यहां वर्षा कुछ ही महीनों तक सीमित रहती है, इसलिए बारिश के पानी को संरक्षित करना बेहद जरूरी है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में तालाबों की श्रृंखला आधारित जल प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई थी। एक तालाब भर जाने पर उसका अतिरिक्त पानी दूसरे तालाब में पहुंच सके, इस तरह तत्कालीन शासकों ने जल प्रबंधन की व्यवस्था विकसित की थी। तालाब केवल पानी जमा करने की



ओर, जलाशयों की संख्या 111 से बढ़कर 134 हो गई। बड़ी परियोजनाओं की संख्या बढ़ना निश्चित रूप से एक सकारात्मक पहलू है, लेकिन छोटे–छोटे प्राकृतिक जल संसाधनों का लगातार कम होना चिंता का विषय है। राज्य में वर्तमान में दर्ज 53,685 जल संसाधनों में से 53,244 ग्रामीण क्षेत्रों में और 441 शहरी क्षेत्रों में हैं। ग्रामीण तेलंगाना की जीवनशैली आज भी काफी हद तक इन्हीं जल संसाधनों पर निर्भर है। विशेष रूप से सिंचाई के लिए उपयोग किए जा रहे जल संसाधनों की संख्या

30,973 दर्ज की गई है। पेयजल की जरूरतों के लिए उपयोग होने वाले जल संसाधन 136 हैं, जबकि औद्योगिक जरूरतों के लिए उपयोग होने वाले संसाधनों की संख्या 254 है। ऐसे में जल संसाधनों का संरक्षण केवल पर्यावरण से जुड़ा मुद्दा नहीं है। यह सीधे तौर पर कृषि, किसानों की आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ा विषय है। तालाबों की संख्या कम होने का सबसे पहला असर भूजल पर पड़ता है। बारिश होने पर तालाब, कुंड और परकोलेशन टैंक पानी को संग्रहित करते हैं। जमा हुए पानी का कुछ हिस्सा धीरे–धीरे



के सामने धर्म–केंद्रित अहंकार पर आधारित शासन कितने समय तक चल सकता है? लेख का तर्क है कि लोगों को अपने भीतर की साजिशों और चालों को छोड़कर एक–दूसरे से प्रेम और सम्मान करने वाला ईंसान बनना होगा। यदि ँतवा पर प्रतिबंध लगाकर उसकी आवाज बंद कर दी जाए और सत्ता में बैठे लोग और अधिेक मनमानी करने लगे तो भी घबराने की जरूरत नहीं है। तब सत्य को सत्य के रूप में स्पष्ट रूप से कहने वाले ँतवा जैसे कई और संस्करण सामने आ सकते हैं। तकनीक का विकास रुकने वाला नहीं है। लेख में एक काल्पनिक उदाहरण देते हुए कहा गया है कि झूठ बोलने वाले किसी व्यक्ति को ँतवा के आदेश पर कोई झ्रोन उठाकर समुद्र में फेंक सकता है या किसी पहाड़ अथवा घने जंगल में अकेले रहने के लिए छोड़ सकता है। हालांकि यह केवल एक व्या्यात्मक कल्पना है। आज के देश के नेता शायद यह कल्पना भी नहीं कर सकते थे कि ँतवा जैसा ए सामने आकर उनके दावों को चुनौती देगा।

सभी लोगों का विकास महत्वपूर्ण है और वह भी धर्म अर्थात न्याय के आधार पर होना चाहिए। देवताओं के प्रिय अशोक के अनुसार, केवल दान और पूजा ही महत्वपूर्ण नहीं हैं। सामान्य युग से पहले ही अशोक

ने इस देश की आत्मा के बारे में यह बात कही थी। इसके बाद भी अनेक महापुरुषों ने इसी विचार को आधुनिक संदर्भों में आगे बढ़ाया और उसका विस्तार किया। जो सरकारें सभी मनुष्यों को समान दर्जा देने तथा शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य पर ध्यान देने में विफल रहती हैं, उन्हें समाज कब तक स्वीकार करेगा? जो सरकारें लोगों के बीच नफरत बढ़ाती हैं, उन्हें सत्ता में बने रहकर हासिल क्या करना है? क्या ऐसी सत्ता की आवश्यकता है? यदि यह सवाल आम आदमी के मन में पैदा हो जाए तो हर व्यक्ति एक क्रांतिकारी बन सकता है। आधुनिक मनुष्य की शक्ति और क्षमता को धर्मो, योगियों, बाबाओं, स्वामियों, मुल्लाओं, फादरों और पुरोहितों में से कोई भी हमेशा के लिए नियंत्रित नहीं कर सकता। लेख का तर्क है कि अब समय आ गया है जब उन्हें आधुनिक वैज्ञानिक उपलब्धियों के सामने अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भविष्य में किस रूप में विकसित होगा, इसकी कल्पना अविवेकी लोग नहीं कर सकते। विवेकशील व्यक्ति की कल्पना और योजना तक आने वाला भविष्य भी पूरी तरह नहीं पहुंच सकता। आने वाला युग वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखने वाले नागरिकों और वैज्ञानिकों का होना तय है।

बालिग बेटी को अपने साथ रहने के लिए मजबूर नहीं कर सकते माता-पिता: इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक बंदी प्रत्यक्षीकरण (हेबियस कॉर्पस) याचिका खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि माता-पिता अपनी बालिग बेटी को उसकी मर्जी के खिलाफ अपने साथ रहने के लिए मजबूर करने के लिए ऐसी याचिका नहीं लगा सकते। एक आदेश में जस्टिस संदीप जैन ने कहा, “किसी बालिग व्यक्ति को उसकी स्पष्ट इच्छा के खिलाफ किसी खास व्यक्ति के साथ रहने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता, सिर्फ इसलिए कि वो व्यक्ति उसके माता-पिता हैं।” जज ने कलावती देवी की तरफ से दायर ‘हेबियस कॉर्पस’ याचिका को खारिज कर दिया।

उन्होंने अपनी 25 साल की बेटी कुमारी पूजा को कोर्ट के सामने पेश करने की मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि बेटी बालिग और



सक्षम है। वो अपनी पसंद की जगह पर और अपनी पसंद के व्यक्ति के साथ रहने के लिए स्वतंत्र है। इस केस में कलावती देवी नाम की महिला ने हाईकोर्ट में हेबियस कॉर्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका दायर की थी। उसने कोर्ट से कहा कि उसकी बेटी

को कोर्ट के सामने पेश किया जाए। 17 अगस्त 2026 को कोर्ट ने आदेश दिया कि बेटी को कोर्ट में लाया जाए। कोर्ट के इस आदेश का पालन करते हुए बेटी को हाईकोर्ट में पेश कर दिया गया। कोर्ट के साथ बातचीत के दौरान, पूजा ने कहा कि

शराब तस्कर की बर्डे पार्टी में केक खिलाते दिखे थानाध्यक्ष और दरोगा तस्वीर वायरल होने के बाद किए गए सस्पेंड पटना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में शराब का धंधा कर काली कमाई करने वाले और राजनीति में अपनी पैठ बनाकर रखने वालों की लंबी फेहरिस्त है। इन लोगों के सामने बड़े-बड़े अफसर और नेता भी सलाम करते है। ताजा मामला पूर्वी चंपारण जिले का है जहां पुलिस के आला अधिकारी शराब के नामजद तस्कर की खिदमत करते दिख रहे हैं। जिस थाने से शराब के धंधा में पकड़े जाने पर जेल भेजा गया, उसी थाने के थानाध्यक्ष समेत दरोगा शराब तस्कर का जन्मदिन मना रहे हैं, उसे केक खिला रहे हैं और केक खिलाते हुए फोटो खिंचवा रहे हैं। सोशल मीडिया पर पुलिस की ये तस्वीरें वायरल हो रही हैं। दरअसल पूर्वी चंपारण जिले में पुलिस और शराब तस्कर बिट्टू कुमार के बर्थडे सैलिब्रेशन की एक फोटो वायरल हो रही है। इस तस्वीर के सामने आने के बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। बिट्टू कुमार के जन्मदिन की पार्टी में पीपरा थानाध्यक्ष सतीश कुमार और दरोगा बिपिन कुमार शामिल हुए।

चार आईएएस अफसरों पर अवमानना के आरोप तय, हाईकोर्ट का सरल रुख

प्रयागराज, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार के चार सीनियर आईएएस अफसरों पर अवमानना के आरोप तय हो गए हैं। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने आरोप तय किए हैं। मामला करीब चार साल पुराने कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किए जाने से जुड़ा है। हाई कोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अधिकारियों की ओर से ऐसा कोई ठोस दस्तावेज पेश नहीं किया गया, जिससे 19 जुलाई 2022 के आदेश का आंशिक रूप से भी पालन साबित हो सके। न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की पीठ ने 2022 में सुरेश चंद्र वर्मा के मामले में फैसले के अनुपालन से जुड़ी 37 अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। सुरेश चंद्र वर्मा के मामले में हाई कोर्ट ने 19 जुलाई 2022 को आदेश दिया था कि संबंधित कर्मचारियों को लागू शासनादेशों के तहत लाभ दिया जाए।

इसमें वेतन का पुनर्निर्धारण, बकाया वेतन का भुगतान और संशोधित पेंशन भुगतान आदेश

जारी करना शामिल था।कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया था कि यदि चार महीने के भीतर संबंधित लाभ नहीं दिए जाते हैं तो बकाया राशि पर सात प्रतिशत साधारण ब्याज का भुगतान करना होगा। याचिकाओं में आरोप है कि आदेश के करीब चार साल बीत जाने के बाद भी इसका पालन नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट का मूल आदेश विशेष अपील में भी बरकरार रहा। इसके बाद 13 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने भी आदेश की पुष्टि कर दी। राज्य सरकार की पुनर्विचार याचिकाएं भी खारिज हो चुकी हैं। इसके बावजूद आदेश के अनुपालन का ठोस दस्तावेज कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका। सरकार की ओर से और समय दिए जाने की मांग की गई, लेकिन हाई कोर्ट ने इसे भी खारिज कर दिया। कोर्ट ने सभी चार आरोपित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने और 13 अक्टूबर को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने का आदेश दिया गया है।

किडनी मरीज मां के इलाज के लिए बेटी ने मांगी मदद पप्पू यादव ने दिल्ली में ठहरने का भरोसा दिया

सारण, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सारण में बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे के दौरान पूर्णिया सांसद पप्पू यादव से एक युवती ने अपनी मां के इलाज को लेकर मदद की अपील की। युवती ने बताया कि उसकी मां को किडनी की समस्या है और दिल्ली में उनका इलाज चल रहा है। इलाज के दौरान दिल्ली में रहने की व्यवस्था की चिंता को लेकर उसने सांसद के सामने अपनी परेशानी रखी। बताया गया कि पप्पू यादव बाढ़ प्रभावित इलाके में लोगों से मिल रहे थे। इसी दौरान एक युवती अपने घर से खाना लेकर पहुंची और उन्हें खाना खिलाया।

बातचीत के दौरान युवती ने कहा कि उसे खुशी है कि पप्पू यादव बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच पहुंचे और पानी के बीच जाकर लोगों के घर-घर तक मदद पहुंचा रहे हैं। युवती ने पप्पू यादव को बताया कि उसकी मां को किडनी की समस्या है और उनका इलाज दिल्ली में चल रहा है। उसने कहा कि दिल्ली में इलाज के दौरान रहने की व्यवस्था हो जाए, तो परिवार के लिए



बड़ी मदद होगी। इस पर पप्पू यादव ने उसे मदद का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली आने से दो दिन पहले उन्हें जानकारी दे देना, रहने के लिए कमरे को व्यवस्था कर दी जायेगी। पप्पू यादव ने युवती से कहा कि उनके आवास पर गरीब लोगों के लिए रहने की व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि उनके यहां करीब 40 कमरे हैं, जिन्हें देशभर से आने वाले गरीब लोगों के लिए मुफ्त में उपलब्ध कराया जाता है। इस

'पति हैं पर फोन नंबर तक नहीं' कोर्ट के बाहर छलका ज्योति सिंह का दर्द, पवन सिंह पर लगाए पावर के गलत इस्तेमाल के आरोप



भोजपुरी, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्टार पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह के बीच तलाक का झगड़ा अब और बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश की बलिया कोर्ट में सुनवाई के बाद ज्योति सिंह ने पवन सिंह पर बहुत गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पवन सिंह अपनी शोहरत और ताकत का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं और जानबूझकर कोर्ट नहीं आ रहे हैं। ज्योति ने यह चौंकाने वाली बात भी कही कि शादीशुदा होने के बावजूद उनके पास अपने ही पति का मोबाइल नंबर तक नहीं है। सुनवाई के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान ज्योति सिंह का गुस्सा और बेवसी दोनों साफ नजर आए। उन्होंने कहा कि पवन सिंह बड़े स्टार हैं और इसी वजह से वह कानूनी प्रक्रिया को भी हल्के में ले रहे हैं।

ज्योति ने कहा, पवन सिंह अपनी पावर और पोजीशन का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। अदालत उन्हें हर बार खुद पेश होने का आदेश देती है, लेकिन वह कभी हाजिर नहीं होते। वह यह सोचते हैं कि अपने रुतबे के दम पर वह जब चाहें तरीख पर आएँ और जब चाहें गायब हो जाएँ। ‘बीमार पिता को छोड़कर आती हूँ, उन्हें फर्क तक नहीं पड़ता’ ज्योति सिंह ने

बताया कि पवन सिंह के बार-बार गैरहाजिर रहने का खामियाजा सिर्फ उन्हें भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने अपना दर्द साझा करते हुए कहा, मेरे पिता की तबीयत लंबे समय से खराब रहती है। मैं खुद बलिया में नहीं रहती हूँ, फिर भी कोर्ट की हर तरीख पर मुझे सैकड़ों किलोमीटर का लंबा सफर तय करके यहां आना पड़ता है। पवन सिंह के न आने से मामला खिंचता जा रहा है और मुझे हर बार मानसिक व शारीरिक तौर पर परेशान होना पड़ता है। ज्योति ने कहा, लोगों को लगता होगा कि हम आपस में बात करते हैं, लेकिन सच यह है कि मेरे पास पवन सिंह का पर्सनल मोबाइल नंबर तक नहीं है। हमारी आखिरी बातचीत भी महीनों पहले लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान हुई थी। हाल ही में जब मेरी सास की तबीयत बिगड़ी, तो मुझे सोशल मीडिया से पता चला। मैंने अपने भाई को अस्पताल भेजा, तब जाकर मुझे पता चला कि वह ठीक होकर घर लौट चुकी हैं। बता दें कि इस सुनवाई के दौरान पवन सिंह की गैरहाजिरी पर अदालत ने भी कड़ा रुख अपनाया है। उनकी टीम की तरफ से मां की बीमारी की दलील दी गई थी, लेकिन कोर्ट ने नरमी न दिखाते हुए पवन सिंह पर 1,000 रुपये का जुर्माना लगा दिया। इसके साथ ही जज ने उन्हें 17 अक्टूबर की अगली सुनवाई पर खुद पेश होने का आखिरी मौका दिया है। वहीं, दस्तावेज समय पर पेश न करने के चलते ज्योति सिंह पर भी 500 रुपये का हर्जाना लगाया गया है।

वह अपनी मर्जी से दिल्ली में स्वतंत्र रूप से रह रही है और किसी भी गैर-कानूनी या अवैध हिरासत में नहीं है।

उसने कहा कि वह अपनी मां के साथ नहीं रहना चाहती।

उसने आरोप लगाया कि उसकी मां का व्यवहार उसके प्रति अच्छा नहीं रहा है और उसे अपने मायके में अक्सर मारपीट और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर, मां ने इन आरोपों से इनकार किया और इच्छा जताई कि उसकी बेटी उसके साथ मायके में रहे।

बेटी से बातचीत करने और उसके बयान पर विचार करने के बाद, कोर्ट ने माना कि वो बालिग है और उसने होश-ओ-हवास में और अपनी मर्जी से अपनी मां के साथ न रहने की इच्छा जताई है और याचिका खारिज कर दी।

बीजेपी को लगता है चुनाव आयोग निष्पक्ष है तो दूसरा चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दे ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर बोले अखिलेश यादव



लखनऊ, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष का प्रदर्शन जारी है। विपक्षी दलों के कई बड़े नेता इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। अखिलेश यादव ने भी प्रदर्शन में हिस्सा लिया और मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने अखिलेश यादव को

वडनगर से काशी तक पहुंचा 1255 गांवों की नदियों का जल रोहतास में सम्राट चौधरी ने लिया यात्रा का जायजा



रोहतास, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंगलवार को रोहतास दौरे पर पहुंचे। उनका हेलीकॉप्टर जमुहार स्थित गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर के हेलीपैड पर उतरा।

यहां भाजपा कार्यकर्ताओं और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री के रोहतास दौरे के बीच गुजरात के वडनगर से वाराणसी तक निकाली गई सेवा यात्रा भी जमुहार पहुंची। यात्रा में शामिल अनिरुद्ध ने बताया कि प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी की जन्मभूमि वडनगर से उनकी कर्मभूमि वाराणसी तक यह यात्रा निकाली गई है। गुजरात से शुरू हुई यात्रा महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड होते हुए बिहार पहुंची है। यात्रा के दौरान 1255 गांवों के किनारे बहने वाली

नदियों के जल को एकत्र कर कलश में लाया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार अलग-अलग स्थानों से जुटाए गए इस जल को वाराणसी ले जाकर अर्पित किया जाएगा। यात्रा को प्रधानमंत्री की जन्मभूमि से कर्मभूमि तक सेवा और श्रद्धा के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर प्रताप कुमार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लाल चौक पर तिरंगा फहराया गया, जहां पहले आतंकवाद का प्रभाव रहा करता था। उन्होंने पाकिस्तान से आए लोगों को नागरिकता देने के लिए किए गए प्रयासों का भी जिक्र किया।

हिरासत में भी लिया। मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग विपक्ष की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं करता, जबकि बीजेपी लगातार आयोग और ज्ञानेश कुमार का बचाव कर रही है। उन्होंने यहां तक कहा कि सुनने में आ रहा है कि उत्तर प्रदेश में एक बार फिर एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया होने जा रही है। ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि वह दो उदाहरण देना चाहते हैं।

उन्होंने दावा किया कि नंदलाल निषाद दस्तखत करना नहीं जानते थे, लेकिन उनसे फर्जी दस्तखत कराकर बीजेपी के लोगों ने फॉर्म-7 भरवाए। अखिलेश यादव ने कहा कि नियम के मुताबिक एक व्यक्ति पांच से ज्यादा फॉर्म-7 नहीं भर सकता, लेकिन उनके आरोप के मुताबिक एक ही नाम से 100 से ज्यादा फॉर्म भरवाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके जरिए बीजेपी ने वोट कटवाए।

अब कब्र से बाहर आएगा 'कातिल' पत्नी का सच प्रेमी के साथ मिलकर पति को उतारा मौत के घाट



मेरठ, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ के लोहियानगर के फतेहउल्लापुर में युवक की मौत को स्वाभाविक बताकर दफना दिया गया, लेकिन उसके मोबाइल से मिली कॉल डिटेल्, वॉयस रिकॉर्डिंग और मौत के बाद खींची गई तस्वीरों ने पूरे मामले को हत्या के शक में बदल दिया। मृतक के चचेरे भाई ने उसकी पत्नी और उसके प्रेमी युवक पर हत्या करने का आरोप लगाया है। कब्र में दबे शव को निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए डीएम से अनुमति मांगी गई है। उधर, पत्नी का हत्या की बात कबूल करते हुए वीडियो भी वायरल हो रहा है। फतेहउल्लापुर की कच्ची जाकिर कॉलोनी निवासी तालिब की 28 सितंबर को मौत हो गई थी। उसके चचेरे भाई अकरम के मुताबिक, इनाम ने फोन कर तालिब की मौत की सूचना दी थी। वह मौके पर पहुंचा तो तालिब की पत्नी

इलमा ने मौत को स्वाभाविक बताया। परिवार के लोग शव को मुजफ्फरनगर ले गए और कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। परिजनों और रिश्तेदारों ने अंतिम संस्कार से पहले और कब्रिस्तान में तालिब के शव की तस्वीरें भी खींची थीं। आरोप है कि शव दफन होने से पहले ही इलमा घर का कीमती सामान समेटने लगी थी। रिश्तेदारों को इस पर संदेह हुआ।

इस दौरान मोहल्ले के लोगों ने परिवार को बताया कि इलमा के ब्यूटी स्टूडियो संचालक अमन से संबंध हैं और दोनों को पार्क तथा घर पर साथ देखा जाता था। शक बढ़ने पर परिजनों ने तालिब का मोबाइल बांधा तो इलमा ने उसके गुम होने की बात कही। परिवार ने तलाश शुरू की तो 2 अक्तूबर को मोबाइल कपड़ों के बीच छिपा मिला। मोबाइल की जांच में अमन और इलमा के बीच बातचीत, कॉल डिटेल् और वॉयस रिकॉर्डिंग से जुड़े कई तथ्य सामने आए। मृतक की अंतिम तस्वीरों को दोबारा देखने पर उसके गले पर संदिग्ध निशान दिखाई दिए। परिजनों ने इन्हीं निशानों के आधार पर दुपट्टे से गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई।

पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में बिहार से दो हिन्दू युवक गिरफ्तार, एक बेगूसराय का

बेगूसराय, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील सूचनाएं कथित तौर पर पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने बिहार से दो युवकों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ का दावा है कि दोनों पाकिस्तान के एक खुफिया ऑपरेटिव के संपर्क में थे और सुरक्षा बलों से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा कर रहे थे। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने पूर्वी चंपारण के अभिषेक कुमार सिंह (31), बेगूसराय के रीतेश सिंह (39) को पकड़ा है। दोनों गुवाहाटी के सतगांव थाना क्षेत्र के गांधीनगर स्थित एक किराये पर रह रहे थे। पूर्वी चंपारण के एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि देश विरोधी गतिविधियों में संलग्न युवक की गिरफ्तारी की जानकारी मिली है। स्थानीय स्तर पर परिवार और पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने जारी बयान में कहा कि सुरक्षा संबंधी जानकारी पाक को मुहैया कराने के आरोप में सेना के जवान समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शर्मा ने कहा कि सेना के सेवानिवृत्त जवान को अनुबंध के आधार पर फिर से नियुक्त किया गया था। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी केंद्रीय एजेंसियों से मिली सूचना के आधार पर की गई। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई सेना की खुफिया इकाई (मिलिट्री इंटरलिजेंस) से मिले शुरुआती इनपुट के आधार पर की गई। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि अभिषेक कुमार सिंह कथित तौर पर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल है और उसके संबंध एक पाकिस्तानी इंटरलिजेंस ऑपरेटिव से हैं।

रकुल प्रीत सिंह की आईटी छापेमारी पर दो टूक- मैं सैन्य अधिकारी की बेटी, मनी लॉन्ड्रिंग से कोई लेना देना नहीं

बीते दिनों एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और उनके ससुर वाशु भगनानी से जुड़ी 12 जगहों पर मुंबई इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने छापेमारी की थी। इस एक्शन के बाद आयकर विभाग का कोई बयान तो नहीं आया, लेकिन अब एक हफ्ते बाद 35 साल की एक्ट्रेस ने इस पर खुद चुप्पी तोड़ी है। 'सामायण-पार्ट 1' में शृणुषखा का किरदार निभा रही रकुल ने सोमवार सुबह X और इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर सफाई दी है। दो टूक शब्दों में कहा है कि वह नियमित तौर पर इनकम टैक्स भरती है और उनका किसी भी विदेशी लेन-देन से कोई नाता नहीं है। यही नहीं, एक्ट्रेस ने यह भी कहा है कि वह सैन्य अधिकारी की बेटी हैं और इंडस्ट्री में उनका कोई 'गॉडफादर' नहीं है, उन्होंने जो भी मुकाम बनाया है, वह कड़ी मेहनत के बूते है।

बीते महीने 28 सितंबर को मुंबई में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने र कु ल



प्रीत सिंह, उनके ससुर और फिल्म प्रोड्यूसर वाशु भगनानी और पेनोरमा स्टूडियो से जुड़ी 12 जगहों पर छापेमारी की थी। विभाग को फंड में गड़बड़ी के शक को लेकर टिप मिली थी, जिसके बाद तलाशी शुरू की गई है। जांच अधिकारियों को शक है कि फिल् म प्रोजेक्ट्स को फा इ ने स करने के नाम पर कथित तौर पर विदेश में पैसा भेजा जा रहा है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का यह सच ऑपरेशन मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में था।

रकुल प्रीत सिंह बोलीं- छापेमारी

मुझसे जुड़ी नहीं थी इस एक्शन के ठीक बाद खबर आई थी कि वाशु भगनानी लंदन में हैं और वहां उनकी तबीयत बिगड़ गई है, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। अब रकुल प्रीत सिंह ने X पर एक लंबा-चौड़ा बयान जारी किया है। वह लिखती हैं, यह देखकर बहुत दुख होता है कि खुद को ऑनलाइन रिपोर्टर कहने वाले लोगों और कुछ मुख्यधारा के मीडिया पत्रकारों के बीच बिना तथ्यों की जांच-पड़ताल किए खबरों को सनसनीखेज बनाने का चलन बढ़ रहा है। इसलिए, आइए इस मामले को एक बार और हमेशा के लिए साफ कर दें। इनकम टैक्स की तलाशी (छापेमारी) मुझसे जुड़ी नहीं थी।

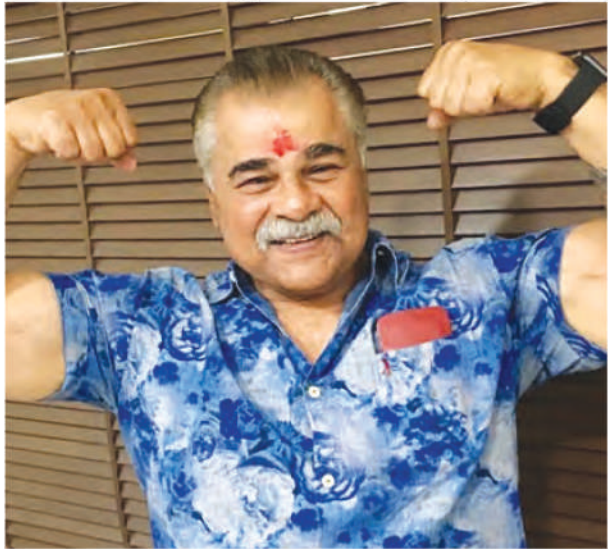
रकुल ने खुद को बताया 'जिम्मेदार नागरिक', कहा- मेरा कोई गॉडफादर नहीं

रकुल प्रीत सिंह ने आगे लिखा, 'मैं बताना चाहता हूं कि मैं आर्म्ड फोर्सेज (सशस्त्र बलों) के बैकग्राउंड से आती हूं और इंडस्ट्री में मेरा कोई 'गॉडफादर' नहीं था। मैंने कड़ी मेहनत से अपना मुकाम बनाया है और कानून का पालन करने वाले एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर 20 साल की उम्र से ही अपने टैक्स भरती आ रही हूं।' रकुल प्रीत सिंह ने कहा- मैं किसी गैर-कानूनी विदेशी लेन-देन का हिस्सा नहीं

'यारियां' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली रकुल प्रीत सिंह कहती हैं, 'मैं व्यक्तिगत तौर पर या किसी प्रोडक्शन हाउस की ओर से किसी भी तरह के गैर-कानूनी विदेशी पैसे के लेन-देन में शामिल नहीं हूं। मैं यह भी कहना चाहूंगी कि देश या विदेश में कहीं भी, किसी के भी नाम पर मेरे पास कोई बेनामी संपत्ति नहीं है। न तो मुझे कभी किसी ने कोई संपत्ति तोहफे में दी है और न ही मैं सिद्धांत के तौर पर ऐसे महंगे तोहफे स्वीकार करती हूं।'

एक्ट्रेस ने आखिर में लिखा है, 'मैं उन सभी लोगों से अपील करती हूं जिन्होंने ये झूठी, दुर्भावनापूर्ण और अटकलों पर आधारित खबरें छापी हैं, कि वे इन्हें वापस लें और तथ्यों को स्पष्ट करें। लेकिन यह सब तथ्यों की कीमत पर नहीं हो सकता। और निश्चित रूप से किसी की प्रतिष्ठा और आजीविका की कीमत पर तो बिल्कुल नहीं।'

शरत सक्सेना: अपनी शक्ल देखकर क्यों गालियां देते थे अभिनेता? खोला इंडस्ट्री और सुपरस्टार्स से जुड़ा राज



अभिनेता शरत सक्सेना ने 'मिस्टर इंडिया' और 'फिर हेरा फेरी' जैसी फिल्मों में अपने दमदार किरदारों के जरिए दर्शकों के बीच अच्छी पहचान बनाई है। हाल ही में वे अपने करियर और इंडस्ट्री के बारे में बात करते दिखे। अभिनेता का कहना है कि अब उनके लिए रोल नहीं है, इसलिए उन्होंने फिल्मी दुनिया से खुद को लगभग अलग कर लिया है।

अर्वाँड नहीं मिलने पर छलका दर्द शरत सक्सेना ने अपने हालिया इंटरव्यू में इंडस्ट्री और अपने करियर से जुड़ी चौंकाने वाली बातें रखी हैं। इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया गया है। इसमें कई बातों को लेकर शरत सक्सेना का दर्द छलक आया है। उन्होंने कहा, 'मुझे आज तक कोई अर्वाँड नहीं मिला। फिल्म इंडस्ट्री में काम मिलता है उस आरम्भ की, जिसकी थोड़ी पहचान बन जाती है।'

इंडस्ट्री का कौन-सा राज खोला? इसके अलावा शरत सक्सेना ने बॉलीवुड पार्टियों में शिरकत न करने पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे पार्टी में कोई इनवाइट नहीं करता। पार्टीज होती हैं फिल्म स्टार्स के लिए। ये फिल्म इंडस्ट्री

का एक ऐसा भाग है, जिसके बारे में दुनिया जानती नहीं है।' शरत सक्सेना ने आगे कहा, 'मैं लगभग इंडस्ट्री से बाहर हो चुका हूं, क्योंकि वहां बुजुर्गों के लिए रोल नहीं है। फिल्म इंडस्ट्री युवाओं की इंडस्ट्री है। बुजुर्ग लोगों के लिए रोल लिखे ही नहीं जाते। मैं एक्सरसाइज करता हूं और कोशिश करता हूं कि लोग मुझे फिल्मों में लेते रहें।'

शरत ने आगे कहा कि 'जब तक पहचान नहीं बनती है, तब तक इंडस्ट्री में काम नहीं मिलता। मिलेगा भी क्यों? उसने क्या कर लिया है, जिसके लिए उसे काम मिल जाए?'

खुद को क्यों देते थे गालियां? शरत आगे कहते हैं, 'स्टार्स एक अलग लेवल पर होते हैं। स्टार्स सिर्फ स्टार्स से बातें करते हैं। हम लोग सिर्फ फिल्मों में मिलते हैं शूटिंग के दौरान। जैसे ही शूटिंग पूरी होती है, हम लोग चले आते हैं। मुझे अपनी शक्ल अच्छी नहीं लगती थी। सुबह जब तैयार होते थे शकल देखकर गालियां देते थे। अभी जा रहे हैं पिटने। हीरो साहब आएंगे, हमारी पिटाई करेंगे। खुद को हीरो घोषित करके पिक्चर में आगे बढ़ेंगे।'

क्या मुश्किल में फंसे रैपर यो यो हनी सिंह?

महाराष्ट्र साइबर के सामने नहीं हुए पेश, मांगा और समय

यो यो हनी सिंह भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री के सबसे पॉपुलर और ट्रेंड-सेटिंग रैपर्स और सिंगर्स में से एक हैं। उन्होंने ब्लू आइज, ब्राउन रंग, धीरे धीरे से मेरी जिंदगी, देसी कलाकार, अंग्रेजी बीट और लव डोज जैसे पॉपुलर गाने दिए हैं। लेकिन अब वे एक बड़ी मुश्किल में फंसेते नजर आ रहे हैं।

अधिकारी के सामने पेश नहीं हुए सिंगर

दरअसल, एक जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र साइबर ने हनी सिंह को पूछताछ के लिए समन भेजा था और आज जांच अधिकारी के सामने पेश होने के लिए कहा था। हालांकि, हनी सिंह आज महाराष्ट्र साइबर के अधिकारियों के सामने पेश नहीं हुए।हनी सिंह ने अब महाराष्ट्र साइबर से जांच अधिकारी के सामने पेश होने के लिए कुछ और समय मांगा है।

क्या है पूरा मामला?

बताया जा रहा है कि एक शख्स ने हनी सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में रैपर



पर एक कॉन्सर्ट के दौरान कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। इसी शिकायत के बाद महाराष्ट्र साइबर ने हनी सिंह को पूछताछ के लिए समन भेजा था। उनसे मामले को लेकर पूछताछ की जानी थी। हालांकि, आज वह अधिकारियों के सामने पेश नहीं हुए और उन्होंने इसके लिए अतिरिक्त समय मांगा है।

जब विजय ने तेज आवाज में की थी रश्मिका से बात, पहली मुलाकात में ही रो पड़ीं थीं एक्ट्रेस

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की पहली मुलाकात कुछ खास अच्छी नहीं रही थी। दोनों ने फिल्म 'गीता गोविंदम' में साथ काम किया था। उस समय रश्मिका इंडस्ट्री में नई थीं, जबकि विजय इससे पहले कुछ फिल्मों में काम कर चुके थे। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि एक्ट्रेस रो पड़ीं।

जब पहली बार हुई दोनों की मुलाकात

रश्मिका ने हाल ही में प्रखर गुप्ता के पॉडकास्ट में विजय के साथ अपनी पहली मुलाकात का किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि जब वह पहली बार विजय से सेट पर मिली थीं, तो उन्हें 'सर' कहकर बुलाती थीं। इसकी वजह यह थी कि वह इंडस्ट्री में नई थीं और विजय तब तक तीन-चार फिल्मों में काम कर चुके थे।

रश्मिका ने बताया कि शूटिंग के पहले दिन वह सेट पर कोई

म्यूजिक चला रही थीं। तभी विजय



ने उनसे म्यूजिक बंद करने के लिए कहा। रश्मिका के मुताबिक, विजय ने कहा था, 'ये म्यूजिक बंद करो।' विजय ने इस घटना को याद करते हुए बताया कि वह स्वभाव से काफी सीधे और बेबाक हैं। उन्हें उस समय अंदाजा नहीं था कि उनकी बात रश्मिका को इतनी बुरी लग सकती है।

तेज आवाज में की थी रश्मिका से बात

सलमान खान की डांट के बाद नीतू कपूर ने पपाराजी पर कसा तंज



हाल ही में 'बिग बॉस 20' में सलमान खान ने जहां ट्रोलर्स पर जमकर भड़के थे, वहीं उन्होंने उन पपाराजी की भी ऐसी-तैसी कर डाली जो एक्ट्रेस के शॉर्ट्स बैक से

लिया करते हैं। आगबबूला सलमान खान ने ऐसी एक्ट्रेस से उन पपाराजी को तमाचा तक लगाने की अपील कर डाली जो ऐसा करते हैं। खैर, सलमान की

कही इन बातों का असर अब बॉलीवुड सेलिब्रिटीज पर साफ दिख रहा है। नीतू कपूर का एक लेटेस्ट वीडियो सामने आया है जिसमें वे भी पपाराजी को ऐसी ही बात कह रही हैं लेकिन उनका अंदाज थोड़ा हटकर दिखा।

नीतू कपूर एक वीडियो में पपाराजी से बातें करती दिख रही हैं।

जब पपाराजी ने उन्हें पोज देने को कहा तो नीतू कपूर ने मजाकिया अंदाज में सवाल किया कि आपलोगों को ये बैक बड़ा अच्छा लगता है न? इस वीडियो में नीतू

कपूर अपनी गाड़ी की तरफ बढ़ रही हैं। पपाराजी की बातें सुनकर मुड़ती हैं और हाथ घुमाते हुए तंज कसते हुए कहती हैं- आपलोगों को ये बड़ा अच्छा लगता है न, बैक? हालांकि, पपाराजी ने उनकी बातों से इनकार किया। इसके बाद हंसते हुए नीतू कपूर ने उन्हें बाय कहा।

'सही किया सलमान भाई ने, दम है उनकी बातों में'

इस वीडियो पर लोगों ने फिर से सलमान खान को याद किया है और उनके लिए - सही किया सलमान भाई ने, दम है उनकी बातों में। वहीं कुछ ने कहा है- नीतू जी इस उम्र में भी कितनी लाजवाब दिखती हैं।

'हनुमान अंश' की 400 करोड़ की सफलता पर बोलीं ऋचा चड्ढा ये कहना जल्दबाजी होगी कि कुछ अच्छा होने जा रहा है

पिछले कई दिनों से सिनेमाघरों में नीम करोली बाबा पर बनी फिल्म 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में धुआं उड़ा दिया है। हालांकि 2 करोड़ में बनी इस फिल्म ने भले 400 करोड़ से अधिक की कमाई करके दिखा दी हो लेकिन ऋचा चड्ढा ये मानने को तैयार नहीं कि ये पूरे साल में कंटेंट आधारित फिल्मों की बड़ी जीत है। उन्होंने कहा है कि अभी ऐसा कहना जल्दबाजी होगी।

विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में केवल 2 करोड़ के बजट में बनी फिल्म 'हनुमान अंश' ने दुनिया भर में 423.26 Cr का ग्राँस कलेक्शन किया है। हालांकि, अब करोड़ों में खेलने वाली इस फिल्म की झोली में पहले दिन केवल 10 लाख रुपये आए थे और इसे महज 355 शोज के साथ रिलीज किया गया था। देखते ही देखते फिल्म की कमाई घटने लगी जिसके बाद 8वें दिन इस फ्लॉप वापस लें और तथ्यों को स्पष्ट करें। लेकिन यह सब तथ्यों की कीमत पर नहीं हो सकता। और निश्चित रूप से किसी की प्रतिष्ठा और आजीविका की कीमत पर तो बिल्कुल नहीं।'

'ये कहना जल्दबाजी होगी कि कुछ अच्छा हो रहा'

ऋचा ने अपनी बात रखते हुए कहा कि अगर बात हनुमान अंश की सफलता की हो रही है तो यह



नया इतिहास रचती रही।

'हनुमान अंश' की सफलता पर बात करते हुए बोलीं ऋचा चड्ढा

इसी बारे में बात करते हुए जब ऋचा चड्ढा से ये 'हिन्दुस्तान टाइम्स' ने सवाल किया गया कि क्या इस फिल्म की सफलता यह दर्शाती है कि 2026 कंटेंट बेस्ड फिल्मों के लिए एक खास साल बन रहा है? ऋचा चड्ढा ने इस बात से पूरी तरह सहमत नहीं जताई।

'ये कहना जल्दबाजी होगी कि कुछ अच्छा हो रहा'

ऋचा ने अपनी बात रखते हुए कहा कि अगर बात हनुमान अंश की सफलता की हो रही है तो यह

एक अलग मामला है। उन्होंने कहा कि इस साल ऐसी और कितनी फिल्में हैं, जिनके आधार पर यह कहा जा सके कि दशक अब सिर्फ कंटेंट को प्रायोरिटी दे रहे हैं, यह देखना जरूरी है। उन्होंने यह भी माना कि धार्मिक और पौराणिक कहानियां ऐसी होती हैं जिन्हें सबके देखने लायक सेफ माना जाता है और इसे लोग देखते ही हैं। ये कहना जल्दबाजी होगी कि कुछ अच्छा हो रहा है।'

बेहतरेन स्क्रीन और राइटर्स के लिए बोलीं ऋचा

ऋचा चड्ढा ने ये भी कहा कि अगर भारतीय सिनेमा को सही मायने में कंटेंट पर आधारित

बनाना है, तो सबसे पहले अच्छी कहानियां और मजबूत स्क्रिप्ट पर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि राइटर्स को अच्छे पैसे और अच्छे मौके मिलने चाहिए। एक्ट्रेस का मानना ​​है कि अगर लेखकों को उनकी मेहनत के हिसाब से सम्मान और पैसे मिलेंगे तो फिल्मों की कहानियां भी मजबूत होंगी और धीरे-धीरे कंटेंट बेस्ड सिनेमा को बढ़ावा मिल सकता है। ऋचा चड्ढा इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट 'मुसाफिरी' को लेकर चर्चा में हैं जो उनके और अली फजल के प्रोडक्शन बैनर 'पुशिंग बटन स्टूडियोज़' के तहत बनाई गई है।

रजनीकांत की हीरोइन रचिता राम संग अजीब हरकत, सेल्फी लेने के बाद फैन ने खींचे गाल, यूजरर्स बोले- ये हद बेहूदगी है



कन्नड़ सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस और रजनीकांत की 'कूली' में नजर आई रचिता राम के साथ एक अजीब वाक्या हुआ है। बीते 3 अक्टूबर को वह बेंगलुरु में अपना जन्मदिन मना रही थीं। वहां बड़ी संख्या में फैस भी मौजूद थे। 34 साल की एक्ट्रेस और 'डिपल क्वीन' के नाम से मशहूर रचिता जब घर के बाहर अपने चाहने वालों से मुलाकात कर रही थीं, तब एक मनचला फैन भी पहुंचा था। वैसे तो एक्ट्रेस राजी-खुशी सब को सेल्फी दे रही थीं, लेकिन मामला तब अजीब हो गया जब इस फैन ने सेल्फी लेने के बाद एक्ट्रेस के गाल खींच दिए। रचिता एक पल के लिए सन्न रह गईं। उन्हें कुछ समझ नहीं आया। अब सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है और यूजरर्स इस 'बेहूदगी' पर भड़क गए हैं।

'कूली' में कल्याणी का किरदार निभाने वाली रचिता को वायरल वीडियो क्लिप में फैस के साथ तस्वीरें और सेल्फी लेते वक्त



मुस्कराते हुए देखा जा सकता है। लेकिन इसी बीच एक टोपी लगाए हुए फैन वहां पहुंचता है। वह रचिता के साथ सेल्फी लेता और जाने से ठीक पहले उनके गाल खींच लेता है। रचिता कुछ सेकंड के लिए हैरान रह जाती है।

फैन की हरकत देख पहले चौंक गईं, फिर

कन्नड़ सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस और रजनीकांत की 'कूली' में नजर आई रचिता राम के साथ एक अजीब वाक्या हुआ है। बीते 3 अक्टूबर को वह बेंगलुरु में अपना जन्मदिन मना रही थीं। वहां बड़ी संख्या में फैस भी मौजूद थे। 34 साल की एक्ट्रेस और 'डिपल क्वीन' के नाम से मशहूर रचिता जब घर के बाहर अपने चाहने वालों से मुलाकात कर रही थीं, तब एक मनचला फैन भी पहुंचा था। वैसे तो एक्ट्रेस राजी-खुशी सब को सेल्फी दे रही थीं, लेकिन मामला तब अजीब हो गया जब इस फैन ने सेल्फी लेने के बाद एक्ट्रेस के गाल खींच दिए। रचिता एक पल के लिए सन्न रह गईं। उन्हें कुछ समझ नहीं आया। अब सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है और यूजरर्स इस 'बेहूदगी' पर भड़क गए हैं।

'कूली' में कल्याणी का किरदार निभाने वाली रचिता को वायरल वीडियो क्लिप में फैस के साथ तस्वीरें और सेल्फी लेते वक्त

गुस्कराई रचिता राम हालांकि, वीडियो में आगे रचिता राम को फैन की इस हरकत पर मुस्कराते हुए देखा गया है। कई यूजरर्स ने सवाल उठाया कि क्या सेलिब्रिटी से मिलने समय को इस तरह पर्सनल बाउंड्री पार करना चाहिए? यूजरर्स बोले- यह उत्पीड़न है, रचिता ने बहादुरी दिखाई है

एक यूजर ने कमेंट में लिखा, 'यह उत्पीड़न है। बेहूदगी है।' एक अन्य ने कहा, 'हो सकता है कि उनकी मुस्कुराहट असल में बहादुरी दिखाणे के लिए हो। लेकिन अंदर से वह भी जरूर परेशान हो गई होंगी। फैस को अपनी सीमाओं का ध्यान रखना चाहिए।' एक तीसरे यूजर ने कमेंट में लिखा, 'चाहे पुरुष हो या महिला, कोई भी अजनबी अगर इस तरह आपको छूता है, तो यह गलत है। यह बेसिक मैनर्स हैं।'

लोगों ने की रचिता राम की तारीफ कई दूसरे यूजरर्स ने रचिता राम की तारीफ की और लिखा, 'उन्होंने इस मामले को बहुत ही

अच्छे से संभाला है। वरना आप देख सकते हैं कि वह चौंक गई थीं।' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'ऐसी ही हरकतों पर अक्सर सेलेब्स अपना आपा खो देते हैं। इसमें उनकी कोई गलती नहीं है। लेकिन जिस तरह रचिता ने अपना सहज व्यवहार दिखाया है, वह तारीफ के काबिल हैं।'

बीते दिनों सलमान खान के साथ मुंबई में हुआ था ऐसा ही वाक्या

रचिता राम को साथ फैन की यह हरकत ऐसे समय में भी आई है, जब बीते दिनों मुंबई में ऐसा ही कुछ सलमान खान के साथ हुआ। सुपरस्टार एक्टर 'प्रेम कीटागु' के प्रीमियर पर पहुंचे थे। वहां एक फैन उनके बेहद करीब पहुंच गया, वह शायद गले मिलना चाहता था। सलमान ने झट से उसे दूर किया, जबकि उनके साथ खड़े सुरक्षाकर्मियों ने भी फैन को फटकार लगाई और दूर भगाया। यह थोड़ा डरावना इसलिए भी था कि सलमान खान की जान को खतरा है और उन्हें कई बार धमकियां मिल चुकी हैं। इसी कारण सरकार की ओर से एक्टर को Y+ सिक्योरिटी दी गई है।

रचिता राम कौन हैं? रचिता राम मूल रूप से कन्नड़ एक्ट्रेस हैं। हालांकि, वह तमिल-तेलुगु फिल्मों में भी काम करती हैं। वह एक भरतनाट्यम डांसर भी हैं। उन्होंने 50 से अधिक शोज किए हैं। साउथ सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस नित्या राम उनकी बहन हैं। रचिता को लोकेश कन्नगराज की 'कूली' में बहुत पसंद किया गया। रजनीकांत और श्रुति हासन स्टारर फिल्म में उन्होंने कल्याणी का रोल निभाया, जिसके खूंखार अंदाज ने हर किसी को चौंका दिया था।